3 अभ्यास प्रश्न-पत्र

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 90•

खंड–'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–

मितव्ययिता का अर्थ है–आय की अपेक्षा कम व्यय करना। मनुष्यों की आय एक-सी नहीं होती और न ही निश्चित रूप से होती रहती है। आज कोई सौ कमाता है, तो कल उसे दस की भी उपलब्धि नहीं होती। आय निश्चित भी हो, तब भी उसमें से कुछ-न-कुछ अवश्य बचाना चाहिए। जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, बहुत बार रोग और अन्य शारीरिक आपत्तियाँ आ घेरती हैं, यदि पहले से मितव्ययिता का आश्रय न लिया जाए, तो मानापमान का कुछ ध्यान रखकर इधर-उधर हाथ फैलाने पड़ते हैं। उस समय सहायता मिलनी कठिन हो जाती है। मिल भी जाए, तो मनुष्य ऋण के बंधन में ऐसा जकड़ा जाता है कि आयु-पर्यंत अथवा पर्याप्त काल के लिए उससे मुक्त होने में नहीं आता। जो मितव्ययी नहीं हैं, वे प्रायः दूसरों के कर्ज़दार रहते हैं। ऋण से बढ़कर कोई दुख और संकट नहीं है।

जिन्हें अपव्यय करने का व्यसन पड़ जाता है, वे सहस्रों और लाखों रुपयों को अल्पकाल में ही स्वाहा कर देते हैं, पूर्वजों की गाढ़े पसीने की कमाई को योंही गँवा बैठते हैं। अक्षय संपत्ति भी फिजूलखर्च लोगों की फिजूलखर्ची को सदा नहीं निभा सकती। गरीबों को तो अपव्यय का स्वप्न भी नहीं देखना चाहिए, नहीं तो शीघ्र ही भूखे मरना पड़ेगा। इंद्रियों के स्वाद के पीछे उनका सर्वनाश हो जाएगा। दरिद्र का जीवन तो तपस्या का जीवन है। वे ही यदि समझ-बूझकर खर्च नहीं करेंगे, तो और कौन करेगा?

अपव्ययी को घर फूँक तमाशा देखने वाले की उपाधि दी जा सकती है। जिसकी आय दस रुपए और खर्च नौ रुपए है, वह धनी है और जिसकी आमदनी एक हज़ार रुपए और खर्च एक हज़ार रुपए है, उस जैसा निर्धन और कोई न होगा।

***(i)* मितव्ययी व्यक्ति उसे कहा जा सकता है, जो .....**

(क) कमाता कम है, खर्च अधिक करता है।
(ख) जितना कमाता है, उतना ही खर्च करता है।
(ग) जितना कमाता है, उससे कम खर्च करता है।
(घ) कुछ कमाता नहीं, केवल खर्च करता है।

***(ii)* जीवन में कई बार अचानक ..... हो जाती हैं, जब धन की ज़रूरत पड़ती है। (रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए)**

(क) दुर्घटनाएँ
(ख) समस्याएँ
(ग) गलतियाँ
(घ) लड़ाइयाँ

***(iii)* संसार में मनुष्य के लिए सबसे बड़ा दुख और संकट क्या है?**

(क) ऋणी होना
(ख) आलसी होना
(ग) कामचोर होना
(घ) होशियार होना

***(iv)* गरीब व्यक्ति को अपने पैसे का क्या करना चाहिए?**

(क) गरीब व्यक्ति को बिना सोचे-समझे पैसा खर्च करना चाहिए।
(ख) गरीब व्यक्ति को अपना पैसा सोच-समझकर खर्च करना चाहिए।
(ग) गरीब व्यक्ति को अपना पैसा सोच-समझकर भी खर्च नहीं करना चाहिए।
(घ) गरीब व्यक्ति को अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए अधिक पैसा खर्च करना चाहिए।

***(v)* 'मानापमान' समस्तपद समास का कौन-सा भेद है?**

(क) कर्मधारय
(ख) द्वंद्व
(ग) तत्पुरुष
(घ) द्विगु

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–

मन-मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है?

• 90 अंकों में 10 अंक मुक्त पाठ्यवस्तु पर आधारित मूल्यांकन (OTBA) के प्रश्न होंगे, जिन्हें इस प्रश्न-पत्र में शामिल नहीं किया गया है।

जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है?
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है?
जिसके बड़े रसीले फल-कंद-नाज मेवे,
सब अँगने सजे हैं, वह देश कौन-सा है?
जिसके सुगंधवाले सुंदर प्रसून प्यारे,
दिन-रात हँस रहे हैं, वह देश कौन-सा है?
मैदान-गिरि-वनों में हरियालियाँ लहकतीं,
आनंदमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है,
संसार का शिरोमणि, वह देश कौन-सा है?

(i) 'वह देश कौन-सा है?' कहकर कवि क्या बताना चाहते हैं?

(क) भारत संसार का शिरोमणि देश है।
(ख) भारत बहुत बड़ा देश है।
(ग) वे भारत के बारे में नहीं जानते।
(घ) वे देश को ढूँढ़ रहे हैं।

(ii) भारत के चरणों को ..... पखार रहा है तथा उसका मुकुट ..... है। वाक्य पूरा कीजिए–

(क) सेवक, सोने का
(ख) नौकर, सुनहरी
(ग) समुद्र, हिमालय
(घ) भारतवासी, चाँदी का

(iii) भारत भूमि का आँगन कैसा है?

(क) रसभरे फलों से भरा है।
(ख) बहुत बड़ा है।
(ग) सजावटी है।
(घ) छोटा है।

(iv) भारतभूमि पर दिन रात कैसे फूल खिलते हैं?

(क) सुगंधित, रंगे-बिरंगे
(ख) बड़े-बड़े
(ग) छोटे-छोटे
(घ) हँसते-रोते

(v) 'अनंत धन से धरती भरी पड़ी है' से क्या तात्पर्य है?

(क) धरती में बहुत सा धन भरा हुआ है।
(ख) धन का कोई अंत नहीं।
(ग) धरती खनिज-संपदा से भरपूर है।
(घ) धरती पर धन ही धन है।

खंड–'ख'

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

(क) 'अति' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।
(ख) 'उच्चारण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द लिखिए।
(ग) 'मिठास' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द लिखिए।
(घ) 'दार' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

(क) 'डाकगाड़ी' तथा 'माता-पिता' समस्तपद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
(ख) 'कमल के समान नयन' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

5. अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद बताइए–

(क) शायद आज बहुत तेज धूप निकलेगी।
(ख) आओ हम सब घूमने चलें।
(ग) कितने लोग आ रहे हैं?
(घ) हम सबको मिलजुल कर रहना चाहिए।

6. **निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम बताइए–**

(क) मखमल के झूल पड़े हाथी-सा टीला।

(ख) कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
या खाए बौराय नर, वा पाए बौराय॥

(ग) तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।

(घ) इतना रोया था मैं उस दिन, ताल-तलैया सब भर डाले।

खंड–'ग'

7. **निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

तुम फोटो का महत्त्व नहीं समझते। समझते होते, तो किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते माँग लेते। लोग तो माँगे के कोट से वर-दिखाई करते हैं और माँगे की मोटर से बारात निकालते हैं। फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग ली जाती है, तुमसे जूते ही माँगते नहीं बने! तुम फोटो का महत्त्व नहीं जानते। लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं, जिससे फोटो में खुशबू आ जाए! गंदे-से-गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है।

(क) कौन फोटो का महत्त्व नहीं समझता और क्यों?

(ख) लोगों पर लेखक ने क्या व्यंग्य किया है?

(ग) प्रस्तुत गद्यांश में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रतिदिन प्रातःकाल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग नहीं स्वीकार करता। इतनी-सी स्वीकृति पाकर ही उसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है। इस वाक्यहीन प्राणिलोक में सिर्फ़ यही एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर संपूर्ण मनुष्य को देख सका है, उस आनंद को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक प्रेम ढाल दिया जा सकता है, जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है।

(क) वाक्य में वर्णित कुत्ते की विशेषता क्या थी?

(ख) कुत्ता गुरुदेव का संग कब स्वीकार करता?

(ग) 'वाक्यहीन प्राणिलोक' का क्या आशय है?

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) बालिका मैना के चरित्र की कौन-कौन सी विशेषताएँ आप अपनाना चाहेंगे और क्यों?

(ख) ज़वारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है? 'मेरे बचपन के दिन' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) लेखिका महादेवी वर्मा ने बचपन में किस भाषा में लिखना प्रारंभ किया? बाद में इसमें क्या परिवर्तन आया?

(घ) 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के आधार पर लिखिए कि–गुरुदेव के कुत्ते की क्या विशेषताएँ थीं?

(ङ) टीले को बचाकर बाजू से निकलने से लेखक का क्या आशय है? 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ के आधार पर लिखिए।

9. **निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,
'बरस बाद सुधि लीन्हीं' --
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(क) 'बरस बाद सुधि लीन्हीं' पंक्ति में कवि क्या कहना चाहता है?

(ख) तालाब ने किस प्रकार मेघों का स्वागत किया?

(ग) लता किसलिए व्याकुल थी?

अथवा

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह-सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह

भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?
क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें

(क) कवि ने बच्चों के काम पर जाने को भयावह क्यों माना?

(ख) बच्चों की इस दयनीय स्थिति के बारे में क्या प्रश्न होना चाहिए?

(ग) कवि के अनुसार बचपन कैसा होना चाहिए था?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) 'यमराज की दिशा' कविता में माँ बेटे के बीच में क्या प्रश्नोत्तर हुए? लिखिए।

(ख) काले माथे और पंखों वाली चिड़िया आपकी दृष्टि में किस प्रकार के व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है? 'चंद्र गहना से लौटती बेर' कविता के आधार पर लिखिए।

(ग) 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मन-मस्तिष्क में जो चित्र उभरता है, उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।

(घ) 'मेघ आए' कविता में मेघ को 'पाहुन' के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहाँ अतिथि (दामाद) को विशेष महत्त्व प्राप्त है, लेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है। आपको इसके जो कारण नज़र आते हैं, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) 'यमराज की दिशा' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

***11. 'बच्चन वक्त के पाबंद थे'– 'किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया' पाठ में वर्णित घटना से इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए तथा बताइए कि एक विद्यार्थी को जीवन में समय के महत्त्व को क्यों जानना चाहिए तथा आत्मनिर्भर क्यों होना चाहिए?**

खंड–'घ'

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए–

(क) मानव और परिश्रम • संकेत बिंदु–जीवन का मूल मंत्र, ऐतिहासिक उदाहरण, आस-पास के उदाहरण, परिश्रम का महत्त्व, उपसंहार।

(ख) मोबाइल फोन • संकेत बिंदु–लाभ, समय की बचत, महत्त्व, हानियाँ, उपसंहार।

(ग) परिश्रम का महत्त्व • संकेत बिंदु–परिश्रम की आवश्यकता, सफलता का मूलमंत्र, लक्ष्य की प्राप्ति, उपसंहार।

13. अपने मित्र को पत्र लिखिए, जिसमें परीक्षा में असफल होने पर हौसला बनाए रखने की बात कही गई हो।

अथवा

दिल्ली दूरदर्शन के निदेशक को दिल्ली दूरदर्शन केंद्र से प्रसारित कार्यक्रमों को रोचक बनाने के लिए पत्र लिखकर अपने सुझाव दीजिए।

14. आपके विद्यालय में मनाए गए 'हिंदी-दिवस' पर प्रतिवेदन लिखिए।

* मूल्याधारित प्रश्न